नैमिष नगर और वरुण विहार में उद्योगों को मिलेगी सस्ती जमीन

एलडीए तैयार कर रहा है प्रस्ताव, रोजगार को बढ़ावा देने की पहल

प्रवेंद्र गुप्ता

लखनऊ। उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए एलडीए अपनी नैमिष नगर और वरुण विहार योजना में सस्ती दर पर जमीन उपलब्ध कराएगा। इसके लिए प्रस्ताव बनाया जा रहा है। प्रस्ताव में जमीन आवंटन के लिए नियम व शर्तें तय की जाएंगी।

आगरा एक्सप्रेसवे के पास एलडीए की वरुण विहार योजना और सीतापुर रोड पर नैमिष नगर योजना पर काम चल रहा है। इनके लिए किसानों की सहमति से जमीन जुटाई जा रही है। इन योजनाओं के आने से करीब तीन लाख लोगों को आवासीय सुविधा का लाभ मिलेगा।

लोगों को यहां रोजगार भी मिल सके इसके लिए एलडीए उद्योग लगाने के लिए सस्ती दर पर उद्यमियों और कंपनियों को जमीन उपलब्ध कराएगा। इसके लिए एसओपी तैयार कर यह तय किया जाएगा कि योजना में किन-किन उद्योगों को जमीन दी जाएगी। साथ ही कम से कम कितनी और अधिक से अधिक कितनी जमीन उद्योगों के लिए दी जाएगी।

- **आवासीय से 50 प्रतिशत तक कम रहेगी कीमत :** योजना से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि उद्योगों को बढ़ावा देने के पीछे का उद्देश्य है कि वहां रोजगार के अवसर बढ़ें। उद्योग लगाने वालों को अक्सर यह शिकायत रहती है कि जमीन महंगी है जिससे वह फैक्टरी लगाने के लिए आगे नहीं आते। इसीलिए यह तय किया गया है कि दोनों योजनाओं में उद्योगों के लिए आवासीय की तुलना में 50 प्रतिशत तक कम कीमत पर जमीन दी जाएगी।
- **खुद कराने होंगे विकास कार्य :** उद्योगों को सस्ती जमीन इस कीमत पर दी जाएगी कि वह आवंटित जमीन पर सड़क, सीवर, पानी और बिजली के कार्य खुद कराएंगे। एलडीए अविकसित जमीन ही देगा। जमीन के आउटर में सड़क और ड्रेनेज पर आने वाला खर्च भी लेगा जिससे योजना में जो सड़क, सीवर और जल निकासी का सिस्टम बने वह अधूरा न रहे।

फैक्ट फाइल

वरुण विहार योजना

- **क्षेत्रफल :** 6500 एकड़
- **योजना में शामिल गांव :** भलिया, आदमपुर, इंदवारा, बहरू, जलियामऊ एवं मदारपुर, इब्राहिमगंज, नकटौरा, गहलवारा, तेजकृष्ण खेड़ा, रेवरी व सकरा

नैमिष नगर योजना

- **क्षेत्रफल :** 3000 एकड़।
- **योजना में शामिल गांव :** गोपरामऊ, भौली, लक्ष्मीपुर, पूरब गांव, सैरपुर, पुरवा, सैदापुर, फर्रुखाबाद, कोडारी भौली, कमलाबाद, कमलापुर, पल्हरी, बैरूमऊ, धातिंगरा।

> उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए उन्हें नैमिष नगर और वरुण विहार योजना में बल्क में जमीन दी जाएगी। यह जमीन आवासीय से कम कीमत की, लेकिन अविकसित होगी। आवंटी को विकास से जुड़े सभी कार्य खुद कराने होंगे।
>
> **-सुशील प्रताप सिंह,** संयुक्त सचिव, एलडीए